अऊ परमेश्वर हर कहिस ए हर सुघर बात नो हे कि कोई भी मइनसे एकला रहे। मेहर ओखर बर एक साथी बनाहूं। भगवान हर चिराई जीव मन ला आदम करा ले आइस। आदम हर ओमन के सबो के नाम ला राखिस।

19

ओहर बड़ चतुर रहीस अऊ चालाक भी तेकर बर ए काम ला करे पाइस। लेकिन सब जीव जंतु कर बीच मा आदम के लायक कोई साथी नीं रहिस।

20

भगवान हर आदम ला गहरा नींद मा लाइस,सुते हवे आदम के पसली म ले एक पसली ला निकाले के बाद भगवान हर ओखर पसली ले एक स्त्री ला रचिस। जोन स्त्री ला भगवान हर रचिस ओ स्त्री हर आदम बर एक लायक सच्चा जीवन संगिनी रहिस।

21

भगवान हर छठवां दिन सबोच ला बना डारे रहिस। फेर भगवान हर सांतवा दिन ला आशिर्वाद करिस। अऊ ओला विश्राम दिन के रूप म मनाइस।

22

जभे भगवान हर सबो जगत ला बनाईस।

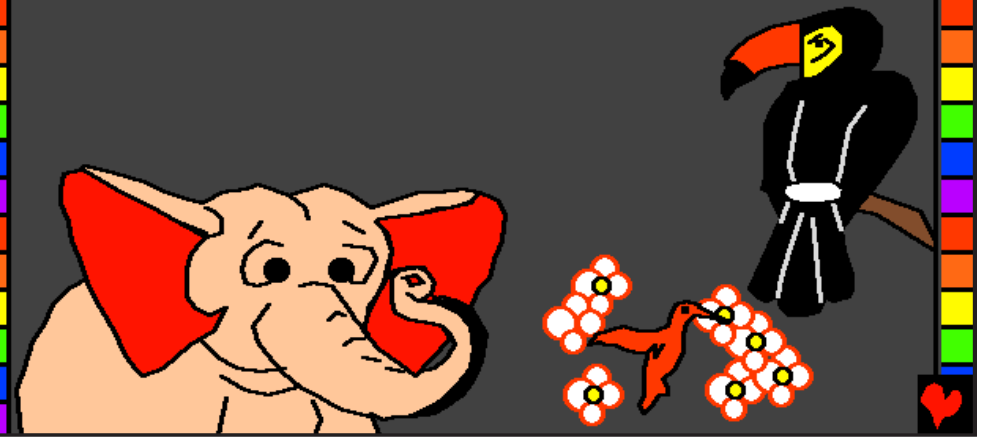

अदन के वाटिका मा आदम अऊ ओखर स्त्री हवा हर खुशी से भगवान के आज्ञा ला मानत रहिन। भगवान हर ओमन के परमेश्वर रहिस। ओमन के दाता अऊ मित्र भी रहिस।

23

जभे भगवान हर सबो जगत ला बनाईस।

इ कथा हर भगवान के बचन के द्वारा एक ठी बाईबिल

पाए जाथे।

उत्पति १-२

"आप मन कर बानी हर एला अंजोर देथे।"
भजन संहिता ११९ : १३०

लिखे गए हवे। Edward Hughes
उत्साह बढ़ै गए हवे। Byron Unger; Lazarus

अनुवाद करे गए हवे। मधुलिका महतो
चयन करे गए हवे। Bob Davies; Tammy S.

कथा १ ले ६०

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

लाईसेंस : आप मन करा इ कथा ल छापे बर अऊ नकल करे के अधिकार तभे तक हे जब तक आप मन एला बेचिहा नाही।

भगवान ला पता हे कि हमन गलत काम करे हन जेन ला ओहर पाप कहिथे। पाप के सजा मौत हावे।

भगवान हमन ले बहुत प्यार करथे, ओहर अपन बेटा ईशु मसीह ला क्रूश में मरे बर अऊ हमर पाप के सजा ला पाये बर भेजीस। ईशु मसीह हा फेर जिंदा होगिस अऊ स्वर्ग वापस चल दिस ! अब भगवान हर हामन के पाप बर माफ कर सकथ हे।

अगर आप मन अपन पाप ले मुख ला मोड़े बर चाहत हव ता भगवान ले ये कहव : हे भगवान! मैं विश्वास करथव कि ईशु मसीह हा मोर बर मरीस हावे अऊ अब ओहर फेर ले जीवित हावे। दया करके मोर जिंदगी मा आवव अऊ मोर पाप ला क्षमा करव। ताकि मैं हर अभी नांवा जिंदगी ला पा सकंव, अऊ आप मन के संग मा हमेशा बर रह सकंव। आपके बेटा बनके आप बर जिये सकंव।

बाइबल ला पढ़व अऊ भगवान से रोज बात करव !

Chhattisgarhi

हमन ला कौन हर बनाए हवे ? एक बाइबिल, भगवान के कहे गे बानी हर हमन ला बताथे कि मइनसे के दौड़ हर कैसे शुरू होवत हे।

1

बहुत पहिले भगवान हर पहिला मइनसे बनाइस। अऊ ओखर नाव आदम राखिस।

2

भगवान हर आदम ला धरती के धुररा अव माटि ले बनाईस। जब भगवान हर आदम के देहें मा सांस ला फूंकिस तभे आदम हा जिंदा हो गइस। आदम हर अपन आप ला एक ठी सुंदर बन मा पाइस जेकर ना अदन रहिस।

3

भगवान हर आदम ला बनाए ले आघु ओहर कई प्रकार के सुंदर चीज ले ए धरती ला बनाईस। फिर बारी बारी ले भगवान हर पहाड़, पथरा, कहरदार फूल अऊ रंग रंग के चिरई चिरगुन, मुधुमाखी, मछली, घोंघी ल बनाईस। सच्ची मां भगवान हर सब कुछ ला बनाईस हवे।

4

सबले शुरूआत मां जब भगवान हर कुछु नहीं बनाए रहिस ए धरती मा भगवान ला छोड़ के अऊ कुछु चीज नहीं रहिस। एकोठी मइनसे, जगह अऊ कुछु चीज नहीं रहिस, कुछु भी नाही, ना अंजोर रहिस ना अंधियार।

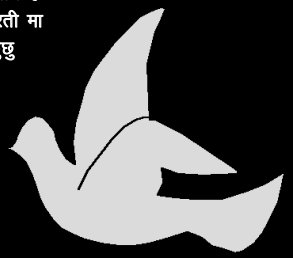

5

न कुछ उपर रहिस अऊ ना कछु तरी। न कुछु बीते काल रहिस न कुछ आए वाला काल, केवल भगवानेच हर रहिस जाकर कोई शुरूवात नी होए। ओकर बाद भगवान हर कदम उठाईस।

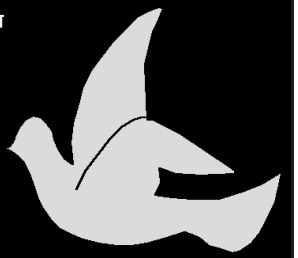

6

सबले शुरूआत मा भगवान हर सरग लोक अऊ धरती लोक ला बनाइस हवे।

7

अऊ धरती हर बिना छोर के रहिस अऊ अंधियार हर गहराई ले समाए रहिस। फेर भगवान हर कहिस "अंजोर होजा"।

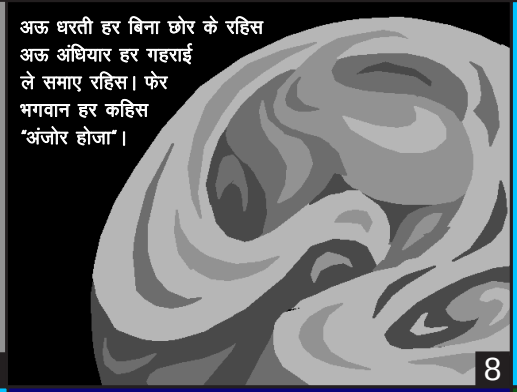

8

अऊ अंजोर होगे। भगवान हर अंजोर ला दिन अऊ अंधियार ला रात कहिके पुकारिस। अऊ संझा व बिहना हर एक पहिला दिन रहिस।

9

दूसर दिन भगवान हर समुंदर के पानी ला बनाईस। अऊ सरग के तरि म समुंदर अऊ झील बनाईस। तीसर दिन भगवान हर कहिस "सूखा भूईयां परगट होजा" अऊ ओहर परगट हो गिस।

10

भगवान हर आज्ञा दिस कि दुबी अऊ फूल, अऊ झाड़ी अऊ पेड़ परगट हो जा। अऊ ओहर परगट होगे। अऊ सांझ अऊ बिहना हर तीसर दिन रहिस।

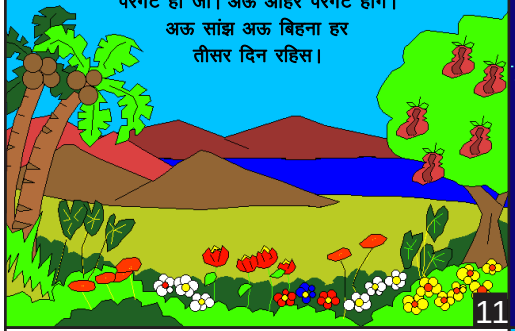

11

फेर भगवान हर सूरज, चांद अऊ अबड़ अकन तारा ला बनाइस। जेला कहूं नई गिन सके। अऊ सांझ अऊ बिहना हर चौथा दिन रहिस।

12

समुंदर के जीव अऊ मछरी, चिरई भगवान के दूसर रचना रहिस। पांचवा दिन भगवान हर एक गो बड़खा तलवार कस मछली अऊ छोट–छोट जीव अऊ लंबा गोड़ वाला जीव अऊ खुश रहे वाला सुंदर चिराई, भगवान हर रंग रंग के किस्म–किस्म के मछरी बनाईस ताकि धरती के पानी ला भरे जा सके।

13

अऊ हर परकार के चिरई बनाईस ताकि ओमन धरती, समुंदर अऊ आकास मा मौज मस्ती कर सकें। अऊ एहर सांझ अऊ बिहना के पांचवा दिन होइस।

14

एकर बाद भगवान हर एक घा फेर कहिस ए धरती मां जिंदा जीव जंतु चौथा परकार के आ सकथे। रकम – रकम के प्राणी अऊ कीड़ा मकोड़ा, जीव जंतु मन अऊ इहां रहें। ओ करा धरती ला हिचकोल देहे वाला हाथी, मगन रहिन, ओकरा बेंदरा अऊ मगरमच्छ घलो रहिस। रेंगे वाला कीरा अऊ चूंदी वाला लंबा जीराफ अऊ चउतरा बिलाई, हर परकार के प्रानी भगवान के द्वारा एही दिन बनाए गे हवय। अऊ सांझ अऊ बिहना के छठवां दिन रहिस।

15

भगवान हर छठवां दिन कुछु अलगा करिस। कुछु अबड़ अनोखा।हर एक चीज हर मइनसे बर तैयार हो चुके रहिस। खेत म खाए बर अनाज, अऊ जानवर भी रहिस। अऊ भगवान हर कहिस हमन ला एक मइनसे अपन कस बनाए ला चाहि।

16

इ धरती के सब चीज के बीच मा भगवान बनके रहेला चाहि। त भगवान हर एक मइनसे ला अपन रूप मा बनाइस। भगवान के छवि के रूप मा ओहर इंसान ला बनाइस।

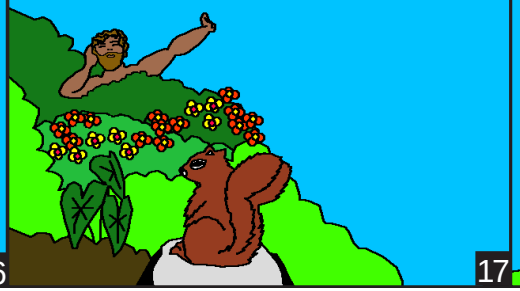

17

भगवान ह आदम ला कहिस – इ वाटिका मा तुहला जो खाए के मन लागथे खावा। लेकिन ओहर अच्छा अऊ बूरा के ज्ञान के रूख हावे ओमे ले तेहर एकोठी फल झन खाबे। अगर तेहर उ रूख के फल ला खाबे त निश्चय मरीच जाबे।

18